* P B B – 1 6 0 7 0 2 0 1 0 1 0 3 0 0 – 2 0 0 – 3 *

PBB-16070201010300 Seat No. _____

B. R. S. (Sem. I) (CBCS) Examination

November / December – 2018

Hindi : FND-2

(New Course)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : सभी प्रश्नों के उत्तर सूचनानुसार दीजिए ।

१ कहानी के उद्‌भव–विकास पर प्रकाश डालिए । १५

अथवा

१ कहानी कला के तत्त्वों के आधार पर 'पत्नी' कहानी का मूल्यांकन कीजिए । १५

२ (अ) निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर सूचनानुसार दीजिए : ७

(१) अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ता

(२) आग लगने पर कुआँ खोदना

(३) अंधों में काना राजा

(४) ईधर कुआँ उधर खाई

(५) घर का भेदी लंका ढावे

(६) चोर की दाढी में तीनका

(७) मुल्ला की दौड़ मस्जिद तक

(८) चलती का नाम गाड़ी

(९) हाथी के दाँत खाने के और दिखाने के और

(१०) लिखे ईसा पढ़े मूसा

(ब) निम्नांकित पंक्ति का पल्लवन कीजिए : ८

''मुखिया मुख सो पाहिए खान पान सो एक
पालहि पोषहि सकल अंग तुलसी सहित विवेक ।''

अथवा

निम्नांकित परिच्छेद का संक्षेपण कीजिए :

''आज भ्रष्टाचार हमारे ऊपर बुरी तरह हावी हो गया है । इसी कारण देश में सर्वत्र असत्य, अनाचार, कालाबाजारी, सिफारिश, रिश्वत, जमाखोरी, मुनाफाखोरी आदि का खुलकर तांडव नृत्य हो रहा है । भला इस स्थिति में कोई देश कैसे उन्नति कर सकता है ? भारत जैसे स्वतंत्र देश के लिए प्रशासन का भ्रष्टाचार एक अभिशाप है । हमें उनसे ऊपर उठना होगा । अन्यथा भ्रष्टाचार की स्थिति में हमारी समस्त योजनाएँ और विकास कार्य भली–भाँति कार्यान्वित नहीं हो सकेंगे । यदि भ्रष्टाचार इसी भाँति पनपना ही रहा तो हमारी स्वतंत्रता भी खतरे में पड़ सकती है ।''

३ निम्नांकित में से किन्हीं **तीन** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए । १५

(१) ''सारा घर मक्खियों से भनभन कर रहा था । आँगन की अलगनी पर एक गन्दी साड़ी टँगी थी, जिसमें पैबन्द लगे हुए थे । दोनों बड़े लड़कों का कहीं पता नहीं था । बाहर की कोठरी में मुंशीजी औंधे मुँह होकर निश्चिन्तता के साथ सो रहे थे, जैसे डेढ़ महीने पूर्व मकान–किराया–नियन्त्रण विभाग की क्लर्की से उनकी छँटनी न हुई हो और शाम को उनको कामकी तलाश में कहीं जाना न हो ।''

(२) ''तो चलो, कोई हल्का–सा कफ़न ले लें । हा और क्या लाश उठते उठते रात हो जायेगी । रात को कफ़न कौन देखता है ? कैसा बुरा रिवाज है कि जिसे जीते–जी तन ढाँकने को चीथड़ा भी न मिले, उसे मरने पर नया कफ़न चाहिए ।''

(३) ''तुमने उस दिन मेरे प्राण बचाये थे । आप घोड़े की लातों में चले गये थे और मुझे उठाकर दुकान के तख्तें पर खड़ा कर दिया था । ऐसे ही इन दोनों को बचाना ।''

(४) ''उसने सोचा है, उसका काम तो सेवा है । बस, यह मानकर जैसे कुछ समझने की चाह ही छोड़ दी है । वह अनायास भाव से पति के साथ रहती है और कभी उनकी राह के बीच में आने को नहीं सोचती ।''

(५) ''जब मैं अपने हृदय पर विश्वास नहीं कर सकी ? उसीने धोखा दिया, तब में कैसे कहूँ । मैं तुम्हें धृणा करती हूँ फिर भी तुम्हारे लिए मर सकती हूँ । अन्धेर है जलदस्यु ! ।''

४ कहानी कला के तत्त्वों के आधार पर 'आकाश दीप' कहानी का मूल्यांकन कीजिए । १५

अथवा

४ 'उसने कहा था' कहानी का कथानक लिखते हुए उनके उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । १५

५ कमलेश्वर का साहित्यिक परिचय दीजिए । १०

अथवा

५ 'चम्पा' का चरित्र–चित्रण कीजिए । १०